भारत सरकार

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5240

(दिनांक 02.04.2025 को उत्तर के लिए)

घरेलू प्रयोजनार्थ खुले बाजार में बिक्री योजना

5240. श्री राजेश रंजन :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि घरेलू प्रयोजनार्थ खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस-डी) के तहत आम उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर आटा उपलब्ध कराने के लिए भारत ब्रांड योजना चरण-1 के आरंभ के दौरान आटे की बिक्री के लिए केंद्रीय भंडार को लगभग पांच लाख मीट्रिक टन गेहूं आवंटित किया गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या केंद्रीय भंडार ने आवंटित गेहूं से तैयार किए गए भारत आटा के 10 किलोग्राम के लगभग 4 करोड़ बैग बेचने के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 2023 से जनवरी 2025 की अवधि के दौरान अपनी खुदरा दुकानों के माध्यम से केवल नौ लाख बैग बेचे हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या केंद्रीय भंडार ने शेष भारत आटा बैग 3 से 4 रुपये प्रति किलोग्राम की रिश्वत लेकर खुले बाजार में बेचे, जिससे लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और सीबीआई से कार्यनिष्पादन संबंधी लेखापरीक्षा और मामले की जांच कराने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री और प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) : खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) नीति के तहत पूरे देश भर में बड़ी संख्या में बिक्री केन्द्रों (आउटलेटों) पर भारत आटा को उपलब्ध करवाने के लिए केन्द्रीय भंडार/एनएएफईडी/एनसीसीएफ जैसे अर्द्ध-सरकारी एवं सहकारी संगठनों तथा अन्य खुदरा बिक्री केन्द्रों (आउटलेटों) (जैसे दिल्ली में सफल, अन्य राज्यों में अन्य खुदरा श्रृंखलाओं/सहकारी संस्थान) के साथ इन संगठनों के टाई-अप के माध्यम से, आम उपभोक्ताओं को रियायती दरों पर आटा (गेहूं का आटा) उपलब्ध करवाने की दृष्टि से, दिनांक 06.11.2023 को भारत आटा का शुभारंभ किया गया था। चरण-I के दौरान, भारत आटा के रूप में बिक्री हेतु कुल 5,09,000 मीट्रिक टन गेहूं केन्द्रीय भंडार को आवंटित किया गया था।

(ख) और (ग) : चरण-I के दौरान, केन्द्रीय भंडार द्वारा एफसीआई से भारत आटा के लिए 5,07,399 मीट्रिक टन गेहूं उठाया गया था और उठाए गए गेहूं की पूरी मात्रा को भारत आटा के रूप में बेचा गया था।

(घ) और (ङ) : ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****